Q.1 2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

पुस्तिका का क्रमांक 319- 1155911

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	9	6	5	2	9	3	7	0
दो	नौ	छः	पाँच	दो	नौ	तीन	सात	शून्य

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग :- परीक्षा का दिनांक 26 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा केन्द्राध्यक्ष केन्द्र क्र. 651039

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
किरण कला आदिवा	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित ... के हस्ताक्षर एव निर्धारित मुद्रा

... अध्या., AS-5594 A... ...pak, AS-5374

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांक की प्रविष्टि ...

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

② [ ] + [ ] = [ ]

... पृष्ठ　　पृष्ठ 2 के अंक　　कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 01 के उत्तर

i) द) 1950

ii) स) बेलग्रेड

iii) स) कारगिल युद्ध 1999

iv) स) अनुच्छेद 7

v) अ) अशिक्षा

प्रश्न क्र. 02 के उत्तर

i) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

ii) 1953

iii) बांग्लादेश

iv) सुरक्षा परिषद्

v) प्रतियोगिता

क्र.

प्रश्न क्र. 03 के उत्तर

i) संविधान में नीति- निर्देशक तत्व आयरलैण्ड देश से लिए गए हैं।

ii) राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति फजल अली थे।

iii) आशियान का मुख्यालय जकार्ता (इण्डोनेशिया) में स्थित है।

iv) चीन ने भारत पर ~~व~~ सन् 1962 में आक्रमण किया।

v) आर्थिक उदारीकरण – आर्थिक उदारीकरण से आशय व्यापार पर लगे अनावश्यक प्रतिबंधों को हटाने से है।

प्रश्न क्र. 04 के उत्तर

i) असत्य।

ii) सत्य।

iii) सत्य।

iv) सत्य।

v) सत्य।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 05 के उत्तर

"अ" "ब"

i) पंचशील की घोषणा - ब) 1954

ii) विश्व बैंक की स्थापना - अ) 1945

iii) सार्क का मुख्यालय - ध) काठमाण्डू

iv) संयुक्त राष्ट्र का संविधान - इ) चार्टर

v) वैश्विक ग्राम का निर्माण - स) वैश्वीकरण

प्रश्न क्र. 06 का अथवा का उत्तर

दर आयोग की अनुशंसाएँ :- दर आयोग की अनुशंसाएँ निम्नलिखित हैं :-

भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन पर असहमति ।

राज्यों के पुनर्गठन में सर्वोच्च प्राथमिकता प्रशासकीय सुविधा ।

5 + [ ] = [ ]

पृष्ठ के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 07 का अथवा का उत्तर

मौलिक अधिकारों के नाम :— मौलिक अधिकारों के नाम निम्नलिखित हैं :—

1] समानता का अधिकार :— इसका वर्णन संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 में किया गया है । इसके अंतर्गत सभी नागरिकों को समान अवसर प्रदान करने का प्रावधान किया गया है ।

2] धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :— इसके अंतर्गत सभी नागरिकों को अपनी इच्छानुसार किसी भी धर्म को मानने व उसकी उपासना करने का अधिकार प्रदान किया गया है ।

B
S
E

प्रश्न क्र. 08 का उत्तर

सार्क के उद्देश्य :— सार्क के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :—

1] सार्क की स्थापना दक्षिण एशियाई राष्ट्रों को परस्पर सहयोग द्वारा अपना विकास करने का अवसर प्रदान करती है ।

2] सार्क की स्थापना से दक्षिण एशियाई देशों का आर्थिक विकास तीव्र गति से हुआ है ।

उपरोक्त दोनों तथ्य सार्क की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में सम्मिलित हैं ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 09 का उत्तर

ताशकंद समझौता :- ताशकंद समझौता सन् 1966 में भारत व स्तान के मध्य हुआ था।

इसकी दो शर्तें इस प्रकार हैं :-

1) कोई भी देश दूसरे देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न करते हुए ऐसे प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करेगा जिससे दोनों देशों के मध्य मित्रता के संबंध और अधिक प्रगाढ़ हों।

2) दोनों ही देश एक अच्छे पड़ोसी के तरह अपने संबंधों को कायम रखेंगे तथा विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाएंगे।

प्रश्न क्र. 10 का उत्तर

भारत-विभाजन के कारण :- भारत-विभाजन के कारण निम्नलिखित हैं :-

1) मुस्लिमों में साम्प्रदायिकता की भावना।

2) अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को शामिल करना।

(7)

पृष्ठ 7 के अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का उत्तर

संविधान की विशेषताएँ :— संविधान की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :—

1) लिखित, निर्मित व व्यापक संविधान :— भारत का संविधान विधिवत गठित संविधान सभा द्वारा 2 वर्ष, 11 माह 18 दिन की अवधि में निर्मित किया गया है। यह विश्व का सबसे बड़ा संविधान है इसमें 395 अनुच्छेद हैं।

B

2) कठोरता व नमनीयता का अद्भुत सम्मिश्रण :— संविधान के कुछ उपबंधों में साधारण विधि द्वारा संशोधन कर दिया जाता है तथा उपबंधों में संशोधन हेतु विशेष विधि का प्रयोग किया जाता है इस प्रकार यह कठोरता व नमनीयता का अद्भुत सम्मिश्रण है।

S E

3) मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्तव्यों का समावेश :— संविधान द्वारा नागरिकों को अपने सर्वांगीण विकास हेतु 06 मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। 42 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा 10 मौलिक कर्तव्यों का भी समावेश संविधान में किया गया। तत्पश्चात 86 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा 1 और मौलिक कर्तव्य को इन कर्तव्यों में जोड़ा गया वर्तमान में इनकी संख्या 11 है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 12 का उत्तर

भारत का संविधान एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य है इसका तात्पर्य यह है कि भारत अपने बाह्य व आंतरिक मामलों में निर्णय लेने के लिए पूर्णतः स्वतंत्रता है। समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्द 42वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में जोड़े गए। समाजवादी का आशय यह है कि भारत अपने नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के उन्नति के समान अवसर उपलब्ध करायेगा साथ ही उनकी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयास करेगा। धर्मनिरपेक्ष का तात्पर्य यह है कि भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म को मानने, उसकी उपासना करने, प्रचार-प्रसार करने व धार्मिक संस्थाएँ स्थापित करने की पूर्णतः स्वतंत्रता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 13 का उत्तर

संयुक्त राष्ट्र के तीन उद्देश्य :— संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :—

विश्व की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक आदि मानवीय समस्याओं के समाधान हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना।

2) मानव जाति की संतति को युद्ध की विभीषिका से बचाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय शांति व सहयोग को स्थायी रूप प्रदान करना व इस सामान्य उद्देश्य की पूर्ति में के बीच आए शांति विरोधी तत्वों को दंडित करना।

3) इन सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति में लगे हुए राष्ट्रों के कार्यों में समन्वयकारी केंद्र के रूप में कार्य करना।

प्रश्न क्र. 14 का उत्तर

संयुक्त राष्ट्र के छः अंग :— संयुक्त राष्ट्र के छः अंग निम्नलिखित हैं :—

1) साधारण सभा या महासभा।
) सुरक्षा परिषद्।
) आर्थिक व सामाजिक परिषद।
3) संरक्षण व न्याय परिषद्।
4) सचिवालय।
5) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय।
6)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 15 का उत्तर

पिछड़े वर्गों की विशेषताएँ :— पिछड़े वर्गों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :—

1) पिछड़े वर्ग प्रायः लघुभूस्वामी होते हैं तथा यह प्रायः छोटी नौकरियों में कार्यरत होते हैं। पिछड़े वर्ग उच्च जातियों से निम्न व निम्न जातियों के मध्य का वर्ग है।

2) सरकार पिछड़ेपन का आधार सामाजिक व शैक्षणिक मानता है, साथ ही इन्हें अन्य वर्गों के समकक्ष लाने हेतु सरकार द्वारा इन्हें विशेष सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं तथा इन्हें आरक्षण भी प्रदान किया गया है।

3) भाषात्मक व संख्यात्मक दृष्टि से पिछड़े वर्ग की भारत में अधिकता है परन्तु इसमें इतनी अधिक जातियाँ पाई जाती हैं कि सांस्कृतिक दृष्टि से इनमें समैकता नहीं है।

सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग को अनेक सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं इसलिए समय-समय पर विभिन्न जातियाँ इसमें शम्मिलित होने की माँग करती हैं। पिछड़े वर्ग के सम्पन्न वर्ग को इन सुविधाओं से वंचित रखा जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 16 का अथवा का उत्तर

भाषावाद पर अंकुश हेतु सुझाव :- भाषावाद पर अंकुश हेतु प्रमुख सुझाव इस प्रकार हैं :-

1) • सरकार अपनी शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूला अपनाकर भाषावाद पर अंकुश लगा सकती है। इसके अंतर्गत शिक्षा पाठ्यक्रम में राज्य की भाषा, राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी व अंतर्राष्ट्रीय भाषा में अंग्रेजी तथा अन्य राष्ट्र की भाषा का समावेश किया जाना चाहिए।

2) प्रत्येक राज्य को अपने प्रशासकीय कार्यों में राजभाषा का प्रयोग करना चाहिए परंतु दूसरे राज्यों से संपर्क में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का प्रयोग किया जाना चाहिए।

3) अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में हिन्दी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग भी भाषावाद पर अंकुश लगाने का एक कारगर उपाय सिद्ध हो सकता है।

4) राज्य को अपने शिक्षा पाठ्यक्रम में राज्य की भाषा, मातृभाषा के रूप में हिन्दी के साथ साथ अन्य राज्यों में से किसी एक राज्य की भाषा का भी समावेश करना चाहिए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 17 का अथवा का उत्तर

महिला सशक्तिकरण के उपाय :— महिला सशक्तिकरण के उपाय इस प्रकार हैं :—

1) संवैधानिक व्यवस्था :— संविधान द्वारा महिलाओं को अनेक अधिकार प्रदान किये जा रहे हैं, जैसे - अवसर की समानता, विधि के समक्ष समानता आदि। ये सभी प्रावधान महिला सशक्तिकरण को मजबूत बनाने में सहायक हैं।

2) राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन :— राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम 1990 के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु किया गया है।

3) राष्ट्रीय महिला कोष :— सन् 1993 में 31 करोड़ की राशि से महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व उन्हें ऋण उपलब्ध कराने हेतु महिला कोष की स्थापना की गई है। यह गरीब महिलाओं, विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र की महिलाओं को ऋण की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

प्रश्न क्र.

4) **महिला अधिकारिता वर्ष** :- वर्ष 2001 में आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं के योगदान के विषय में नागरिकों को अवगत करना हेतु 'महिला अधिकारिता वर्ष' मनाया गया। इसी वर्ष "महिला अधिकारिता के लिए राष्ट्रीय नीति" प्रस्ताव पारित हुआ।

उपरोक्त सभी तथ्य महिला-सशक्तिकरण के प्रमुख उपाय हैं जिन्हें लागू कर वर्तमान में महिला सशक्तिकरण को मजबूत बनाया गया है।

प्रश्न क्र. 18 का अथवा का उत्तर

गुटनिरपेक्ष नीति के लक्षण :- गुटनिरपेक्ष नीति के लक्षण इस प्रकार हैं :-

1) **गुटों से सामान्य दूर** :- गुटनिरपेक्ष नीति का प्रमुख लक्षण यह है कि इसमें दोनों गुटों से सामान्य दूरी बनाकर सभी से बराबर की सहायता प्राप्त करना संभव हो पाता है।

2) **परस्पर सहायता की भावना** :- गुटनिरपेक्ष नीति सभी गुटों से परस्पर सहायता की भावना पर आधारित है जो इसके प्रमुख लक्षणों में से एक है।

प्रश्न क्र.

3) निःशस्त्रीकरण का समर्थन :— विश्व शांति के लिए यह आवश्यक है कि शस्त्रों की दौड़ समाप्त हो। इसलिए गुटनिरपेक्ष नीति निःशस्त्रीकरण का समर्थन करती है।

संयुक्त राष्ट्र में आस्था :— संयुक्त राष्ट्र ही वह संस्था है जो अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए सर्वाधिक प्रयासरत है। इसी कारण है गुटनिरपेक्ष नीति अपनाने वाले राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र के प्रति समर्पित हैं।

S
E
उपरोक्त सभी तथ्य गुटनिरपेक्ष नीति के प्रमुख लक्षण हैं।

(15) ...ाग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 1.. क अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 19 का उत्तर

अंतर्राष्ट्रीय अथवा विश्व बैंक के कार्य : अंतर्राष्ट्रीय बैंक के कार्य इस प्रकार हैं :-

1) सदस्य राष्ट्रों के आर्थिक पुनर्निर्माण व विकास हेतु उन्हें दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराना ।

2) शांतिकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पादन संबंधी सुविधा में विकास करना ।

3) निजी ऋण एवं पूँजी निवेश को प्रोत्साहित करना । भुगतान संतुलन की ~~साम~~ साम्यता तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने हेतु विनिमय को प्रोत्साहित करना ।

4) लघु एवं वृहत इकाइयों तथा आवश्यक परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उन्हें ऋण उपलब्ध कराना तथा ऐसे ऋणों की गारंटी देना ।

अंतर्राष्ट्रीय या विश्व बैंक की स्थापना सन-1945 में हुए जिसके द्वारा उपरोक्त कार्य सम्पन्न किए जाते हैं ।

16 + =
योग पूर्व पृष्ठ पृ० 16 क अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 20 का अथवा का उत्तर

पी. एल. 480 समझौता :— पी. एल. 480 समझौता सन - 1960 में भारत और अमेरिका के मध्य हुआ।

समझौते की शर्तें :— इस समझौते की प्रमुख शर्तें निम्नलिखित हैं :—

1) इस समझौते में अमेरिका ने भारत द्वारा रुपये के भुगतान पर भारत को खाद्यान्न आपूर्ति पर सहमति व्यक्त की।

2) भारत को विभिन्न खाद्यान्न सामग्री अमेरिका द्वारा बिना किसी प्रतिबंध के उपलब्ध कराये जाने पर भी सहमति हुई।

3) इसमें अमेरिका द्वारा भारत को परमाणु रिएक्टरों के प्रयोग संबंधी समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।

4) अमेरिका द्वारा भारत में व्यापार हेतु लगाए गए प्रतिबंधों को भी समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

उपरोक्त सभी शर्तें P. L. 480 समझौते के दौरान रखी गईं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 21 का उत्तर

आधुनिकरण के लक्षण :— आधुनिकरण के प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं :—

1) विभेदीकरण :— यह आधुनिकरण का एक महत्वपूर्ण लक्षण है। इसका तात्पर्य है श्रम - विभाजन तथा कार्यों का विशेषीकरण।

2) समानता :— इसे आधुनिकरण की आत्मा कहा जाता है। इसका तात्पर्य अवसरों की समानता से है। इसके अंतर्गत अवसरों के निर्धारण में जाति, वंश, धर्म, लिंग, सम्प्रदाय आदि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है।

3) सार्वभौमिकता :— इसे विधि का शासन भी कहते हैं। इसका तात्पर्य कानून के सबसे ऊपर होने से है।

4) परिवर्तन की क्षमता :— आधुनिक समाज में वही व्यवस्था आधुनिक हो सकती है जिसमें निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार परिवर्तित होने की क्षमता हो।

उपरोक्त सभी तथ्य आधुनिकरण के प्रमुख लक्षणों के अंतर्गत आते हैं।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 22 का अथवा का उत्तर

राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन :- सन् 1953 में राज्यों को पुनर्गठित करने हेतु एक आयोग की स्थापना की गई जिसे राज्य पुनर्गठन आयोग के नाम से जाना जाता है। इसके अध्यक्ष न्यायमूर्ति फज़ल अली थे। आयोग ने सन् 1956 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके अंतर्गत निम्न सिफारिशें प्रस्तुत की गई :-

1) राज्यों का पुनर्गठन करते समय देश की एकता और अखंडता की सर्वोच्च प्राथमिकता को ध्यान में रखा जाए।

2) केवल "एक भाषा एक राष्ट्र" के सिद्धांत को राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पूर्णतः निरस्त माना जाए।

3) राज्यों का पुनर्गठन करते समय भाषायी एकरूपता को अवश्य ध्यान में रखा जाए परंतु इससे अल्प भाषायी जनता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े इसका भी ध्यान रखा जाए।

4) पुनर्गठित होने वाले राज्यों की वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों की उचित व्यवस्था को भी विचारण में रखा जाए।

5) नवगठित राज्यों के निर्माण कार्य के समय भाषायी व सांस्कृतिक सजातीयता को भी ध्यान में रखा जाए।

6) संविधान द्वारा राज्यों के चार पक्षीय वर्गीकरण को समाप्त कर सभी राज्यों को समान दर्जा दिया जाए ।

प्रश्न क्र. 23 का उत्तर

अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग का गठन :— संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत अनुसूचित जाति व जनजातियों के विकास हेतु अनुसूचित जाति व जनजाति आयुक्त की स्थापना की गई परंतु यह पाया गया कि इससे अधिक विकास नहीं हो पा रहा है इसलिए इसी भावना को और अधिक विस्तृत करने हेतु अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग का गठन सन् 1993 में किया गया । इसमें एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष व पांच सदस्य होते हैं जिनका चयन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है ।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विकास की योजनाएँ :—

1) **अस्पृश्यता निषेध कानून :—** अनुसूचित जाति व जनजाति को समाज के समान स्तर पर लाने हेतु अनु. 17 में अस्पृश्यता निषेध कानून का वर्णन किया गया है । इसके अंतर्गत इस मामले में दोषी व्यक्ति को 6 वर्ष किसी भी चुनाव में लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया जाता है ।

प्रश्न क्र.

2) **शासकीय सेवाओं में आरक्षण :—** इस वर्ग के आर्थिक विकास हेतु इन्हें शासकीय सेवाओं में एक निश्चित प्रतिशत तक आरक्षण प्रदान किया गया है जिसके द्वारा इनके आर्थिक विकास को तीव्र गति से बढ़ाया गया है।

3) **शिक्षा संबंधी सुविधाएँ :—** स्वतंत्रता प्राप्ति के समय शिक्षा के क्षेत्र में इन जातियों का योगदान नगण्य था। बाद में इनमें शिक्षा की भावना विकसित करने हेतु दोपहर का भोजन, निःशुल्क कापी-किताबें, छात्रवृत्ति, छात्रावास की व्यवस्था जैसे अनेक कार्यक्रम लागू किए गए।

B
S
E

4) **उत्पीड़न से मुक्ति हेतु प्रयास :—** भारत सरकार द्वारा इन जातियों को उत्पीड़न से मुक्त कराने हेतु विभिन्न विभागों को यह आदेश दिया गया है कि वह इनके अधिकारों का हनन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कड़ा कदम उठावें।

5) **अन्य व्यवस्थाएँ :—** बंधुआ मजदूरी से मुक्ति, कृषि योग्य भूमि प्रदान करना आदि अनेक व्यवस्थाएँ लागू करके इनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 24 का उत्तर

आर्थिक असमानता :— आर्थिक असमानता से तात्पर्य आय व सम्पत्ति के असमान वितरण से है। भारत में धनी व गरीब वर्ग की आय में अधिक अंतर आर्थिक असमानता को जन्म देता है।

आर्थिक असमानता के कारण :— आर्थिक असमानता के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं :-

1) **सामंतवादी शासन व्यवस्था :—** कुछ आलोचकों का मत है कि ब्रिटिश सरकार की सामंतवादी शासन व्यवस्था आर्थिक असमानता के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी है। जिस वर्ग ने अंग्रेजों को भारत में शासन स्थापित करने में सहायता की उन्हें अंग्रेजों की अनेक रियासतें व सम्पत्ति प्राप्त हुयी तथा अन्य लोग अर्थहीन रह गए। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी इस स्थिति में विशेष बदलाव नहीं आया।

2) **बढ़ती जनसंख्या :—** देश की बढ़ती हुई जनसंख्या भी आर्थिक असमानता को जन्म दे रही है। जिसके कारण धनी व्यक्ति और अधिक धनी व गरीब व्यक्ति और अधिक गरीब बनते जा रहे हैं।

प्रश्न क्र.

3) निरक्षरता :— जो व्यक्ति साक्षर हैं वे बड़ी नौकरियों को प्राप्त कर अधिक धन अर्जित करने के सक्षम बन जाते हैं। तथा निरक्षर लोगों को छोटे व्यवसाय ही प्राप्त हो पाते हैं जिनसे उनका जीवन-स्तर निम्न ही बना रहता है।

4) क्षेत्रीय-असंतुलन :— क्षेत्रीय असंतुलन भी आर्थिक असमानता का प्रमुख कारण है जो क्षेत्र खनिज पदार्थों से सम्पन्न है वहां अधिक व्यवसाय स्थापित होने से वहां के लोग धनी बन जाते हैं। इसकी विपरीत अवस्था में लोगों का जीवन-स्तर गिरता चला जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्र. 25 का उत्तर

पर्यावरण :— पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है परि + आवरण। परि का अर्थ होता है चारों ओर तथा आवरण का अर्थ होता है घेरे हुए। अर्थात् हमें चारों ओर से घेरा हुआ आवरण ही पर्यावरण कहलाता है।

प्रश्न क्र.

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार :— पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार निम्नलिखित हैं :—

1) वायु-प्रदूषण :— वायुमण्डल में उपस्थित विभिन्न गैसों के आपसी अनुपात बिगड़ जाने के कारण तथा कारखानों से निकले जहरीले धुएँ, वाहनों के धुएँ आदि से वायु-प्रदूषण उत्पन्न होता है।

2) जल-प्रदूषण :— जल में किसी बाहरी अवांछनीय तत्व का समावेश जिससे उसकी शुद्धता में गिरावट आए, जल प्रदूषण कहलाता है। शहरों के मल-मूत्र, घरेलू अपशिष्ट आदि नदियों में प्रवाहित कर देने से जल-प्रदूषित हो जाता है।

3) मृदा-प्रदूषण :— भूमि के भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों में होने वाला अवांछनीय परिवर्तन जिससे उसकी उर्वरा-शक्ति नष्ट हो जाए, मृदा-प्रदूषण कहलाता है।

4) ध्वनि-प्रदूषण :— सामान्य ध्वनि से ऊँची आवाज शोर कहलाती है। ध्वनि-प्रदूषण के कारण मनुष्य मनोरोगी बन जाता है। मानसिक तनाव, सिरदर्द आदि ध्वनि-प्रदूषण के कारण उत्पन्न होते हैं।

5) तापीय-प्रदूषण :— विश्व के सामान्य तापक्रम में होने वाली अत्यधिक वृद्धि तापीय-प्रदूषण कहलाती है।

(24) [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ 24 के अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 26 का अथवा का उत्तर

भारतीय विदेश नीति की विशेषताएँ :— भारतीय विदेश नीति की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:—

1) गुट निरपेक्षता या असंलग्नता की नीति :— भारत जिस समय स्वतंत्र हुआ उस समय विश्व दो गुटों में बँटा हुआ था उनके मध्य शीत-युद्ध चल रहा था। उस समय भारत ने किसी गुट में सम्मिलित न होकर अपनी स्वतंत्र नीति स्थापित की।

2) विश्व-शांति का समर्थक :— भारत सदैव से ही विश्व शांति का समर्थक रहा है इसी कारण भारत में सन् 1968 ई. ने परमाणु अस्त्र अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए। प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के समक्ष रखा।

3] निःशस्त्रीकरण का समर्थक :— भारत की विदेश नीति में निःशस्त्रीकरण को प्रमुख स्थान प्रदान किया गया है। निःशस्त्रीकरण का समर्थन करने वाला भारत पहला देश है।

4) उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद का विरोध :— भारत सदैव से ही उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद का विरोध करता रहा है। भारत ने हंगरी में रूस के हस्तक्षेप का विरोध किया साथ ही बांग्लादेश को स्वतंत्र कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल   4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी	26 03 2019

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

किरण कला आदिया

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक............ प्राप्तांक

संयुक्त राष्ट्र का समर्थक :— भारत की विदेश नीति में संयुक्त राष्ट्र के प्रति गहरी आस्था रखी गई है क्योंकि विश्व शांति संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। भारत 30 अक्टूबर 1945 को इसका सदस्य बना।

B
S
E

पृष्ठ के अंकों का योग